देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 16 अंकः 104 पृष्ठ : 8 मूल्यः एक रूपए

विचार-प्रवाह...सालों पुराना है अजेंडा

पेज थ्री

देहरादून, बृहस्पतिवार, 22 जुलाई 2021

मौसम अधिकतम 27.0° न्यूनतम 24.0°

40341.40 | 2 पाकिस्तान में डेल्टा वेरिएंट का कहर | 7 टोक्यो में तिरंगा लहराना है: दीपक चाहर

दुनियाभर में कोरोना काल में 15 लाख बच्चे हुए अनाथ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी के पहले 14 महीनों के दौरान भारत के 1,19,000 बच्चों समेत 21 देशों में 15 लाख से अधिक बच्चों ने संक्रमण के कारण अपने माता–पिता या उन अभिभावकों को खो दिया जो उनकी देखभाल करते थे। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑन ड्रग एब्यूज (एनआईडीए) और नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के अध्ययन में कहा गया है कि भारत में 25,500 बच्चों ने कोविड–19 के कारण अपनी मां को खो दिया जबकि 90,751 बच्चों ने अपने पिता को और 12 बच्चों ने माता–पिता दोनों को खो दिया।

इस अध्ययन के आकलन के अनुसार, दुनियाभर में 11,34,000 बच्चों ने अपने माता–पिता या संरक्षक दादा–दादीध्नाना–नानी को कोविड–19 के कारण खो दिया।

कोरोना के पहले 14 महीनों के दौरान 1.19 लाख बच्चों ने अपने माता–पिता या अभिभावकों को खो दिया

भारत से भी सामने आया चौंकाने वाला आंकड़ा

कोविड के कारण मौत की दर में 9 देश शामिल

कहा गया है कि जिन देशों में सबसे अधिक बच्चों ने माता–पिता में से किसी एक या दोनों को खोया है उनमें दक्षिण अफ्रीका, पेरू, अमेरिका, भारत, ब्राजील और मेक्सिको शामिल हैं। देखभाल करने वाले प्राथमिक लोगों में कोविड के कारण मौत की दर वाले देशों में पेरू, दक्षिण अफ्रीका, मेक्सिको, ब्राजील, कोलंबिया, ईरान, अमेरिका, अर्जेंटीना और रूस शामिल हैं।

इनमें से 10,42,000 बच्चों ने अपनी मां, पिता या दोनों को खो दिया।

अधेड़ उम्र और बुजुर्ग माता-पिता की अधिक हुई मौत

रिपोर्ट के मुताबिक, 2,898 भारतीय बच्चों ने अपने संरक्षक दादा–दादी/नाना–नानी को खो दिया जबकि नौ बच्चों ने इनमें से दोनों को खो दिया। रिपोर्ट में कहा गया है, ''मौत में लिंग और उम्र का पता लगाने पर हमने पाया कि दक्षिण अफ्रीका को छोड़कर बाकी देशों में महिलाओं के मुकाबले पुरुषों की मौत अधिक हुई खासतौर से अधेड़ उम्र और बुजुर्ग माता–पिता की।''

ज्यादातर बच्चों ने माता–पिता में से किसी एक को गंवाया है। एआईएच ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा कि कुल मिलाकर 15,62,000 बच्चों ने माता–पिता में से कम से कम एक या देखभाल करने वाले लोगों में से किसी एक को या अपने साथ रह रहे दादा–दादी/नाना–नानी को खो दिया।

एनआईडीए की निदेशक नोरा डी वोल्कोव ने कहा, ''माता–पिता या देखभाल करने वाले व्यक्ति को खोने के बाद कोई भी बच्चा भयानक तनाव से गुजरता है, इसके सबूतों के आधार पर समय रहते कुछ कदम उठाए जा सकते हैं जो आगे परिस्थितियों को और बिगड़ने से रोक सकते हैं जैसे कि मादक पदार्थ का इस्तेमाल करना और हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चे इन सब चीजों से दूर रहे।''

विशेषज्ञों का अनुमान है कि भारत में मार्च 2021 से अप्रैल 2021 के बीच अनाथालयों में बच्चों की संख्या में 8.5 गुना वृद्धि हुई है। इस अंतराल में यहां अनाथ बच्चों की संख्या 5,091 से बढ़कर 43,139 हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि जिन बच्चों ने माता–पिता या देखभाल करने वाले को खो दिया है, उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा पर गहरा अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का खतरा है। उन्होंने बीमारी, शारीरिक शोषण, यौन हिंसा और किशोर गर्भावस्था के जोखिम को लेकर चिंता जताई है।

21 देशों के राष्ट्रीय प्रजनन आंकड़ों के आधार पर अनुमान

यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन कोविड रिस्पांस टीम से मुख्य लेखक डॉ सुसन हिलिस ने कहा, 'दुनिया भर में हर दो कोविड मौतों के लिए, माता–पिता या देखभाल करने वाले की मौत का सामना करने के लिए एक बच्चा पीछे छूट जाता है। 30 अप्रैल, 2021 तक, ये 1.5 मिलियन बच्चे दुनिया भर में 30 लाख कोविड –19 मौतों का दुखद अनदेखी परिणाम बन गए थे और यह संख्या केवल महामारी की प्रगति के रूप में बढ़ेगी।' उन्होंने कहा, 'हमारे निष्कर्ष इन बच्चों को प्राथमिकता देने और साक्ष्य–आधारित कार्यक्रमों और सेवाओं में निवेश करने की तत्काल आवश्यकता को उजागर करते हैं जिससे वे अभी उनकी रक्षा और समर्थन कर सकें।

संक्षिप्त समाचार

नेताओं और 62 विधायकों के साथ सिद्धू ने दरबार साहिब में टेका माथा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अमृतसर। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रधान बनाए जाने के बाद नवजोत सिंह सिद्धू बुधवार को विधायकों के साथ श्री दरबार साहिब में नतमस्तक हुए। कांग्रेस नेताओं, 62 कांग्रेस विधायकों और कई मंत्रियों मौजूद रहे। बाद में वह जलियांवाला बाग और श्री दुर्गियाणा मंदिर भी पहुंचे और माथा टेका। इससे सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह खेमे के कमजोर पड़ने का संकेत मिलता है।

पेगासस जासूसी मामले को लेकर राजनीति बवाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कोलकाता। पेगासस जासूसी मामले को लेकर राजनीति गरमाई हुई है। बंगाल भाजपा के विधायक सुवेंदु अधिकारी ने राज्य की ममता बनर्जी की सरकार पर बड़ा आरोप लगा दिया। उधर, पेगासस जासूसी विवाद के संदर्भ में ममता ने मोदी सरकार पर देश को 'निगरानी वाला राष्ट्र' बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

संवेदनशीलता व सत्य की भारी कमी–तब भी थी, आज भी है

ऑक्सिजन की कमी से मौतों वाले बयान पर राहुल गांधी ने साधा निशाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। कोविड–19 की दूसरी लहर में ऑक्सिजन की कमी से कोई मौत ना होने से जुड़े केंद्र सरकार के बयान पर बवाल मच गया है। विपक्षी दल लगातार केंद्र सरकार को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक ट्वीट में नरेंद्र मोदी सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने ट्वीट किया, सिर्फ ऑक्सिजन की कमी नहीं थी। संवेदनशीलता व सत्य की भारी कमी–तब भी थी, आज भी है। राहुल के इस ट्वीट पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इटैलियन में जवाब दिया है।

गिरिराज सिंह बन गए इटैलियन बाबू: सिंह ने राहुल के ट्वीट को कोट करते हुए इटैलियन में लिखा, मैं इस राजकुमार के बारे में यह कहूंगा कि उसके पास तब भी दिमाग नहीं था, अब भी नहीं है और हमेशा नहीं होगा। ये लिस्ट राज्यों के द्वारा कम्पाइल की जाती हैं। जहां–जहां आपकी पार्टी सत्ता में है, वहां से मॉडिफाइल लिस्ट सबमिट करने को कहिए। तब तक झूठ बोलना बंद कर दीजिए।

बीजेपी ने यूं किया पलटवार

बीजेपी ने विरोधियों पर पलटवार करते हुए कहा कि विपक्षी दलों की सरकारों ने अदालतों में दावा किया कि दूसरी लहर में ऑक्सिजन की कमी से किसी की मौत नहीं हुई। उन्होंने केंद्र को दिए अपने जवाब में भी इसी प्रकार के दावे किए। बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार का उत्तर राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के आंकड़ों पर आधारित है, क्योंकि स्वास्थ्य राज्य का विषय है। किसी भी राज्य ने ऑक्सीजन की कमी के कारण मरीजों की मौत होने संबंधी कोई आंकड़ा जारी नहीं किया।

प्रियंका ने भी साधा निशाना

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी केंद्र के इस बयान को लेकर निशाना साधा। प्रियंका ने कहा, ऑक्सिजन की कमी से कोई मौत नहीं हुईः केंद्र सरकार। मौतें इसलिए हुईं क्योंकि महामारी वाले साल में सरकार ने ऑक्सिजन निर्यात 700 प्रतिशत तक बढ़ा दिया।

उन्होंने कहा कि मौतें इसलिए हुईं क्योंकि सरकार ने ऑक्सिजन का ट्रांसपोर्ट करने वाले टैंकरों की व्यवस्था नहीं की। कांग्रेस नेता ने कहा, ''अस्पतालों में ऑक्सिजन संयंत्र लगाने में कोई सक्रियता नहीं दिखाई गई।''

किसानों को दिल्ली कूच की मिली इजाजत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ संसद के मानसून सत्र में जंतर मंतर पर जाकर प्रदर्शन करने के लिए दिल्ली पुलिस और किसान नेताओं के बीच सहमति बन गई है। बीते तीन दिनों से इस मामले को लेकर किसान नेताओं और दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के बीच बैठकों का दौर जारी था। सोमवार को सिंघु बार्डर पर हुई बैठक बेनतीजा रही थी। उसके बाद मंगलवार को फिर बैठक हुई। अब बुधवार को हुई बैठक में ये तय किया गया है कि 200 किसान बस से जंतर मंतर तक जाएंगे। पुलिस की गाड़ी उनके आगे चलेगी। वहां पर वो सुबह 11 बजे से शाम के 5 बजे तक अपनी किसान पार्लियामेंट लगाएंगे उसके बाद वापस जाएंगे। किसानों के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए दिल्ली पुलिस ने जंतर मंतर और आसपास के इलाके में सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है।

दिल्ली पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि सिंघु बार्डर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। यहां पर 2500 दिल्ली पुलिस और 3000 पैरामिलिट्री के जवान तैनात कर दिए गए हैं। इसके अलावा यहां पर दंगा नियंत्रण वाहन, वाटर कैनन, टीयर गैस के साथ जवान तैनात कर दिए गए हैं। दिल्ली पुलिस के अधिकारा नहीं चाहते कि किसान किसी भी तरह से फिर 26 जनवरी जैसे हालात पैदा करें। इसके अलावा दिल्ली पुलिस की ओर से सभी सीमाओं पर ड्रोन के जरिए नजर रखी जाएगी जिससे कोई भी संदिग्ध दिल्ली में घुसकर गतिविधि को अंजाम न दे सके। दिल्ली पुलिस के अधिकारी का कहना है कि चूंकि अभी कोरोना का संक्रमण पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है इस वजह से कोरोना प्रोटोकाल का पालन करते हुए किसानों को बड़ी संख्या में यहां के लिए इजाजत नहीं दी गई है।

मंजूरी

■200 किसानों को मिली जंतर–मंतर पर किसान पार्लियामेंट की इजाजत

Are you Planning to make a Website or already have ?

If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

सीएए–एनआरसी से देश के नागरिकों का कोई लेना–देना नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत दो दिवसीय असम दौरे पर

गुवाहाटी। राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत दो दिवसीय दौरे पर असम में हैं। आज उन्होंने नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर का मुद्दा उठाया और कहा कि इसे राजनीतिक फायदे के लिए सांप्रदायिकता का जामा पहनाया जा रहा है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि CAA से किसी मुसलमान को कोई दिक्कत नहीं होगी। सीएए–एनआरसी से देश के नागरिकों का कोई लेना–देना नहीं है।

गुवाहाटी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, 1930 से योजनाबद्ध तरीके से मुस्लमानों की संख्या बढ़ाने के प्रयास हुए, ऐसा विचार था कि जनसंख्या बढ़ाकर अपना वर्चस्व स्थापित करेंगे और फिर इस देश को पाकिस्तान बनाएंगे। ये विचार पंजाब, सिंध, असम और बंगाल के बारे में था, कुछ मात्रा में ये सत्य हुआ, भारत का विखंडन हुआ और पाकिस्तान हो गया। लेकिन जैसा पूरा चाहिए था वैसा नहीं हुआ। आरएसएस प्रमुख ने कहा, CAA किसी भारत के नागरिक के विरुद्ध बनाया हुआ कानून नहीं है।